वर्ष-01, अंक-68
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

ई -पेपर

बिहार ,शुक्रवार, 13 जून 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

जिंदगी में सबसे बड़ा धनवान वो इंसान होता है, जो दूसरों को अपनी मुस्कुराहट देकर उनका दिल जीत लेता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

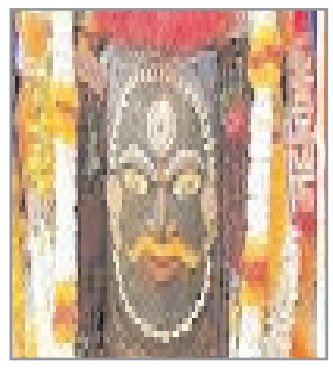

15000 से ज्यादा अंतर से हारी सीटों पर सिंबल बदलेंगे

महागठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला सेट

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए विपक्षी पार्टियों के महागठबंधन में सीट बंटवारे का फॉर्मूला सेट कर लिया गया है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव के आवास पर पटना में आयोजित गुरुवार को महागठबंधन यानी इंडिया अलायंस की चौथी बैठक में सीट शेयरिंग पर चर्चा शुरू हुई। इस बैठक में 2020 के विधानसभा चुनाव के आधार पर ही इस बार सीट बंटवारा करने पर सहमति जताई गई। इसके साथ ही पिछले (2020) के विधानसभा चुनाव में बड़े अंतर से हारी जाने वाली सीटों पर प्रत्याशी या सिंबल बदलने का फैसला लिया गया। बिहार चुनाव को लेकर गठित महागठबंधन की को-ऑर्डिनेशन कमिटी के अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने अगली मीटिंग से पहले सभी दलों से उन सीटों का ब्योरा मांगा, जहां पर वे चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं।

महागठबंधन के घटक दलों को विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अपनी संभावित सीटों का ब्योरा उम्मीदवारों सहित समन्वय समिति को देने को कहा गया है। माना जा रहा है कि अगली बैठक में सीट बंटवारे पर आगे की बातचीत होगी। गुरुवार को तेजस्वी यादव की अध्यक्षता में इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

पटना के 2, पोलो रोड स्थित तेजस्वी के सरकारी आवास पर हुई बैठक में तय हुआ कि घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा 2020 के फार्मूले पर ही किया जाएगा। इसमें कुछ सीटें आगे-पीछे हो सकती हैं। साथ ही, इंडिया गठबंधन की सभी उप समितियां साझा कार्यक्रम चलाने को लेकर कार्यक्रम तय करेंगी। इसके बाद पंचायत-प्रखंड से लेकर प्रदेश स्तर पर साझा कार्यक्रम एवं आंदोलन चलाया जाएगा।

3 घंटे तक चली बैठक, बड़े अंतर से हारी सीटों पर नया नियम

तेजस्वी के आवास पर महागठबंधन की चौथी बैठक गुरुवार को 3 घंटे तक चली। इसमें 15 हजार से अधिक वोटों के अंतर से हारी जाने ाली सीटों की समीक्षा करने का निर्णय लिया गया। ऐसे में उन सीटों पर उम्मीदवार और पार्टी का सिंबल भी बदला जाएगा। जानकारी के अनुसार, बैठक में सीटों के बंटवारे का मुद्दा वीआईपी के मुकेश सहनी ने उठाया। इस पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने सीटों का नाम और उम्मीदवारों का ब्योरा सभी घटक दलों को साझा करने को कहा।

बैठक में 9 जुलाई 2025 को मजदूर संगठनों द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी आंदोलन को लेकर संयुक्त रूप से समर्थन करने और इसमें शामिल होने का निर्णय लिया गया। इस आंदोलन में सभी घटक दल मिलकर अपनी ताकत दिखाएंगे।

भाकपा के राज्य सचिव राम नरेश पांडेय ने भाकपा माले व अन्य दलों के नेताओं द्वारा सीटों पर दावेदारी सार्वजनिक तौर पर किए जाने पर नाराजगी दर्ज कराई।

चुनाव से पहले ग्रामीण नेताओं को नीतीश का तोहफा

पंचायती राज प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ा

बिहार में चुनावी साल में पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बड़ी सौगात मिली है। नीतीश सरकार ने मुखिया, सरपंच, प्रखंड प्रमुख, वार्ड सदस्य, जिला परिषद सदस्य समेत अन्य सभी स्तर के पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना में हुई बैठक में यह घोषणा की। इसके अलावा पंचायत प्रतिनिधियों को अब कार्यकाल के दौरान सामान्य कारणों से मौत होने पर भी 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। पहले सिर्फ आकस्मिक मौत पर यह राशि मिलती थी।

बिहार सरकार के ताजा निर्णय के अनुसार जिला परिषद अध्यक्ष को जो हर महीने 20 हजार रुपये भत्ता मिलता था, उसे बढ़ाकर 30 हजार रुपये कर दिया गया है। इसी तरह जिला परिषद के उपाध्यक्ष क मासिक भत्ते को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये यानी दो गुना कर दिया गया है। मुखिया का

मानदेय भी 5000 रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये प्रति महीना किया गया है। इसी तरह ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के सदस्यों एवं अन्य प्रतिनिधियों के मानदेय में भी इजाफा किया गया है।

किसका मानदेय कितना बढ़ा-

मुखिया- 5000 से 7500 रुपये
सरपंच- 5000 से 7500 रुपये
उपमुखिया- 2500 से 3750 रुपये
उप सरपंच- 2500 से 3750 रुपये
वार्ड सदस्य- 800 से 1200 रुपये
प्रमुख- 10000 से 15000 रुपये
उपप्रमुख- 5000 से 7500 रुपये
जिला परिषद अध्यक्ष- 12000 से 18000 रुपये
जिप उपाध्यक्ष- 10000 से 15000 रुपये
जिप सदस्य- 2500 से 3750 रुपये
पंचायत समिति सदस्य- 1000 से 1500 रुपये

मुखिया का पावर बढ़ गया

बिहार में अब पंचायतों के मुखिया का पावर बढ़ गया है। नीतीश सरकार ने 10 लाख रुपये तक की मनरेगा योजनाओं की स्वीकृति देने का अधिकार मुखिया को दे दिया है। इसके लिए उन्हें किसी भी तरह का प्रशासनिक मंजूरी नहीं लेनी होगी। पहले यह लिमिट 5 लाख रुपये थी। इसके अलावा पंचायत प्रतिनिधि किसी बड़ी बीमारी से ग्रसित होते हैं, तो उन्हें मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से स्वास्थ्य सुविधाएं और इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पंचायत प्रतिनिधियों के साथ गुरुवार को पटना में अहम बैठक की। इसमें उन्होंने सरकार के इन फैसलों की घोषणा की। सीएम ने कहा कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की सभी पंचायतों का भवन बनकर तैयार करने का लक्ष्य है। इसके लिए सरकार ने 1069 नए पंचायत भवनों के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

पटना में जेडीयू एमएलसी के सरकारी आवास में लगी आग मच गई अफरातफरी

पटना, पटना में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के एमएलसी संजय सिंह के सरकारी आवास पर गुरुवार दोपहर को अचानक आग लग गई। इससे लोगों ने पहले आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन जब वह फैलने लगी तो इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना पर अग्निशमन की 'फायर बुलेट' टीम ने आग पर तुरंत काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। हादसे में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है।

दरअसल, सचिवालय थाने के स्ट्रैंड रोड में विधान पार्षद संजय सिंह का सरकारी आवास है। बताया जाता है कि आवास में लगे इलेक्ट्रिक पैनल में अचानक आग लग गई। धुआं निकलने पर लोग उसे देखने पहुंचे। तब तक उसमें से आग की लपटें उठने लगीं। लोग आग बुझाने के लिए पानी फेंकने लगे। वहीं एमएलसी आवास में आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की 'फायर बुलेट' टीम वहां पहुंची और आग पर काबू पा लिया।

इसके बाद वहां दमकल की कई गाड़ियां भी पहुंचीं, लेकिन तब तक आग पूरी तरह बुझ चुकी थी। आग लगने से आवास के एक तरफ का हिस्सा पूरी तरह जल गया। इस संबंध में जिला अग्निशमन अधिकारी मनोज नट ने बताया कि आवास में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद ही इसका कारण स्पष्ट हो पाएगा।

डीजी के निजी आवास में लगी आग

पटना के राजीव नगर थाना क्षेत्र के आशियाना मोड़ स्थित जगत नारायण कॉम्प्लेक्स के पास डीजी एके अंबेडकर का निजी आवास है। उसी में वह परिवार के साथ रहते हैं।

गुरुवार दोपहर में उनके घर के इलेक्ट्रिक पैनल में आग लग गई। सूचना पर पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इससे अगलगी की बड़ी घटना टल गई। जिला अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आवास में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। सूचना मिलते ही हमारी टीम वहां पहुंचकर आग परकाबूपालिया।

गिरिराज सिंह कांग्रेस पर भड़के

कहा - यह पार्टी भ्रम फैलाती है, पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं राहुल गांधी

भागलपुर, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भागलपुर पहुंचे और कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को विकास से कोई सरोकार नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस थेथर पार्टी बन गई है, जिसे देश के विकास से कोई सरोकार नहीं है। राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं, और उनकी लोकप्रियता का स्तर इसी से समझा जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के विकास और सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस हमेशा भ्रम फैलाने का काम करती रही है, जबकि मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास के संकल्प पर अडिग है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो वादे किए थे, उन्हें न सिर्फ पूरा किया, बल्कि वह कर दिखाया जो दशकों से केवल नारा बनकर रह गया था। उन्होंने 11 साल तक नेहरू खानदान की गलतियों को सुधारने में लगा दिए। उन्होंने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने, तीन तलाक की प्रथा को समाप्त करने और अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण को मोदी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों में गिनाया। गिरिराज सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि इस अभियान के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी सैन्य ताकत और कूटनीतिक क्षमता का परिचय दिया है। सेना के शौर्य को उंचा किया गया। केंद्रीय मंत्री ने यह भी दावा किया कि मोदी सरकार ने अब तक 27 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है और देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। धानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह गुरुवार को भागलपुर पहुंचे थे। वहां सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से गिनाया।

बीपीएससी ने फिर बदली असिस्टेंट इंजीनियर भर्ती परीक्षा की तारीख, 17 से 19 जुलाई के बीच होगा आयोजन

बिहार लोक सेवा आयोग ने एक बार फिर से सहायक अभियंता (असैनिक/यांत्रिक/विद्युत) प्रतियोगिता परीक्षा की तिथि में बदलाव किया है। आयोग ने कहा है कि परीक्षा तिथि पुनः 17, 18 और 19 जुलाई निर्धारित की गई है। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट *bpsc.bihar.gov.in.* पर जाकर अधिसूचना देख सकते हैं। आयोग की ओर से जारी नोटिस में लिखा है, विज्ञापन संख्या-29/30/31/2025, सहायक अभियंता (असैनिक/यांत्रिक/ विद्युत) प्रतियोगिता परीक्षा आयोजन के पूर्व की तिथि को परिवर्तित करते हुए पुनः दिनांक-17.07.2025, 18.07.2025 एवं 19.07.2025 निर्धारित किया गया है।

5, 6 और 7 जुलाई को निर्धारित थी परीक्षा

गौरतलब है कि पूर्व में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सहायक अभियंता भर्ती की लिखित परीक्षा 5, 6 और 7 जुलाई को होनी निर्धारित थी। आयोग ने परीक्षा तिथि

में संशोधन किया है और इसे अब 17, 18 और 19 जुलाई के लिए निर्धारित किया है।

1024 पदों पर होनी है भर्ती

इस भर्ती अभियान के माध्यम से बिहार राज्य के विभिन्न विभागों के अन्तर्गत सहायक अभियंता (असैनिक, यांत्रिक एवं विद्युत) के कुल-1024 (एक हजार चौबीस) रिक्त पदों पर नियुक्ति की जानी है। पंजीकरण प्रक्रिया 30 अप्रैल को शुरू हुई थी।

बिहार में मॉनसून की उलटी गिनती शुरू

मौसम विभाग ने बताई एंट्री की संभावित तारीख

बिहार में पड़ रही प्रचंड गर्मी के बीच राहत भरी खबर आई है। बिहारवासियों के लिए मॉनसून का इंतजार अब खत्म होने वाला है। मौसम विभाग ने राज्य में मॉनसून के प्रवेश की संभावित तारीख बताई है। मौसम विभाग के अनुसार मॉनसून इस साल अपने निर्धारित समय के अनुसार यानी 15 जून तक बिहार में प्रवेश कर जाएगा। बताया जा रहा है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बिहार की सीमा से सटे सिक्किम और पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में 29 मई से अटका पड़ा है। अब इसके आगे बढ़ने के आसार जताए जा रहे हैं।

मॉनसून के आने से पहले दक्षिण बिहार में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। मॉनसून की एंट्री से पहले कमोबेश यही हालात रहने वाले हैं। बिहार में मॉनसून के आने की निर्धारित तारीख 13 से 15 जून के बीच होती है। इस सीजन दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ने केरल में निर्धारित तारीख से 8 दिन

पहले एंट्री ली, तो बिहार में भी इसके हफ्ते भर पहले आने के आसार जताए जा रहे थे। मगर, जून के पहले सप्ताह में मॉनसून की रफ्तार धीमी पड़ जाने से बिहार में इसका इंतजार बढ़ता चला गया।

अब मौसम वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि बिहार में मॉनसून अपने निर्धारित समय पर ही आएगा। आने वाले दो-तीन दिनों में बिहार के लोगों को इस संबंध में अच्छी खबर मिल सकती है। मॉनसून बिहार में सीमांचल (किशनगंज-पूर्णिया) के रास्ते प्रवेश करता है।

दक्षिण बिहार में अभी पड़ेगी भीषण गर्मी

बिहार के दक्षिणी हिस्से में अभी प्रचंड गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। पटना, गया, छपरा समेत अन्य शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। मॉनसून के आने से पहले दक्षिण बिहार में गर्मी का सितम जारी रहेगा। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी गर्मी पड़ने की आशंका जताई है।

सम्पादकीय

भारत की औसत जन्मदर गिरने पर यूएन को चिंता ने सताया

भारत फिलहाल दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला मुल्क है। भारत की मौजूदा जनसंख्या 1.5 अरब के करीब है। यह आबादी बहुत अधिक प्रतीत होती है और इसके चलते संसाधनों के लिए संघर्ष की स्थिति बढ़ रही है। यही नहीं यह आबादी बढ़कर अगले दो दशकों में 1.7 अरब तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद भारत की आबादी में तेजी से गिरावट का डर है और इसी बात को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। यूएन जनसंख्या कोष की ओर से तैयार एक रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 40 साल बाद यानी 2065 से भारत की आबादी में गिरावट आने लगेगी।

भारत फिलहाल दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला मुल्क है। भारत की मौजूदा जनसंख्या 1.5 अरब के करीब है। यह आबादी बहुत अधिक प्रतीत होती है और इसके चलते संसाधनों के लिए संघर्ष की स्थिति बढ़ रही है। यही नहीं यह आबादी बढ़कर अगले दो दशकों में 1.7 अरब तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद भारत की आबादी में तेजी से गिरावट का डर है और इसी बात को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। यूएन जनसंख्या कोष की ओर से तैयार एक रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 40 साल बाद यानी 2065 से भारत की आबादी में गिरावट आने लगेगी। यह चिंता इसलिए भी सही लग रही है क्योंकि भारत में औसत जन्मदर 1.9 पर आ गई है, जो कि रिप्लेसमेंट लेवल से कम है। जनसंख्या विज्ञानियों के अनुसार रिप्लेसमेंट लेवल बनाए रखने के लिए जरूरी है कि प्रति महिला औसतन जन्मदर 2.1 रहे। फिलहाल भारत की आबादी काफी अधिक है और ऐसे में जन्मदर घटने से भी आबादी कम होने का संकट नहीं है। किंतु मौजूदा पीढ़ी के गुजरने के बाद यह संकट प्रत्यक्ष तौर पर दिखाई देगा। जानकार मानते हैं कि फिलहाल आबादी का विकास गुणात्मक नहीं है बल्कि घनात्मक है। यदि जन्मदर इसी तरह कम होती रही तो फिर आबादी की ग्रोथ निगेटिव में जा सकती है। ऐसी स्थिति लगभग 2065 तक आ सकती है। यही चिंता संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपोर्ट में व्यक्त की गई है। यह रिपोर्ट भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया जैसे 14 देशों पर तैयार की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की आबादी 1960 में 43 करोड़ थी और तब प्रति महिला औसतन 6 बच्चों को जन्म दे रही थी। किंतु अब स्थिति बदल गई है। स्कूली शिक्षा के प्रसार, परिवार नियोजन के उपायों के प्रति जागरूकता और सुविधाएं जुटाने के आकर्षण के चलते महिलाएं कम बच्चे पैदा कर रही हैं। बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं हैं, जो एक ही बच्चा पैदा करना चाहती हैं। फिलहाल भारत में एक महिला औसतन 2 बच्चों को ही जन्म दे रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बिहार के एक परिवार की तीन पीढ़ी की महिलाओं का सर्वे किया गया है। इस सर्वे में जिस 64 साल की महिला सरस्वती देवी को शामिल किया गया है, वह कहती हैं कि उनकी पीढ़ी में परिवार नियोजन के उपायों पर चर्चा ही नहीं होती थी। यहां तक कि बड़े परिवार को भगवान का आशीर्वाद माना जाता था। सरस्वती के भी 5 बेटे हुए। वह कहती हैं कि उस दौर में जिसके कम बच्चे होते थे, उसको लेकर माना जाता था कि शायद किसी बीमारी के चलते ऐसा हुआ है। वह कहती हैं कि मैंने जब सोचा कि अब बच्चे पैदा न किए जाएं तो मेरी सास कहती थीं कि ऐसा करना गलत होगा।इसी सर्वे में सरस्वती देवी की बहू अनीता को भी शामिल किया गया है। 42 साल की अनीता कहती हैं कि मेरी शादी 18 साल की उम्र में हुई थी। वे कहती हैं कि मेरे 6 बच्चे हैं और मैं इतने पैदा नहीं करना चाहती थी। इतने बच्चे इसलिए हुए क्योंकि पति और सास बेटा चाहते थे। इस तरह दिखता है कि कैसे सोच में बदलाव आया। यही नहीं अनीता की बेटी पूजा जो फिलहाल 26 साल की हैं, उसका कहना है कि वह दो से ज्यादा बच्चे पैदा नहीं करेगी। इसकी वजह यह है कि वह सभी को बेहतर सुविधा देना चाहती हैं। वहीं प्यू रिसर्च की ताजा रिपोर्ट को देखें तो पता चलता है कि दुनिया में मुसलमानों की आबादी में सबसे ज्यादा तेजी से इजाफा हुआ है। हालांकि दुनिया में अब भी सबसे अधिक आबादी ईसाइयों की है, लेकिन उनकी जनसंख्या की ग्रोथ में कमी आई है। इसके अलावा दुनिया में उनकी आबादी का अनुपात 2010 के मुकाबले 1.8 फीसदी कम हुई है। फिलहाल दुनिया में ईसाई आबादी 2.3 अरब है और पूरी दुनिया की जनसंख्या में इनकी 28.8 पर्सेंट की हिस्सेदारी है। इस तरह ईसाइयों की आबादी का अनुपात कम हुआ तो वहीं मुस्लिमों की जनसंख्या का प्रतिशत दुनिया में 1.8 फीसदी ही बढ़ गया है।फिलहाल दुनिया में मुसलमानों की आबादी 25.6 फीसदी है और कुल जनसंख्या 2 अरब है। माना जा रहा है कि जल्दी ही दुनियाभर में मुसलमानों की आबादी ईसाइयों को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा होगी। इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया का एकमात्र धर्म बौद्ध है, जिसकी आबादी में कमी आई है। 2010 में बौद्धों की आबादी में 1.9 करोड़ की कमी आई है। इसके चलते दुनिया की आबादी में बौद्धों का अनुपात 0.8 फीसदी घटकर 4.1 पर्सेंट ही रह गया है। इस तरह भारत में पैदा हुए बौद्ध धर्म के लोगों की संख्या बढ़ने की बजाय कम हो रही है। इसकी एक वजह जन्मदर का कम होना है तो दूसरा कारण धर्म से विमुख होना भी है। बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जो अपने जन्म के धर्म को छोड़ रहे हैं। अब बात हिंदुओं की करें तो उनकी आबादी में वैश्विक औसत के बराबर ही इजाफा हुआ है।

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के पीएम मोदी के 11 साल

लोकतंत्र में श्रेष्ठ नेतृत्व की पहचान नीति, नीयत और निष्ठा की कसौटी पर खरा उतरने से होती है, यह एक सुखद पक्ष है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 11 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे। नरेंद्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं।

लोकतंत्र में श्रेष्ठ नेतृत्व की पहचान नीति, नीयत और निष्ठा की कसौटी पर खरा उतरने से होती है, यह एक सुखद पक्ष है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 11 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे। नरेंद्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। संक्षेप में कहा जाए तो मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म, प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए अपनी प्राथमिकता में जी वाय ए एन को रखा है। जी का तात्पर्य गरीब, वाय तात्पर्य युवा, ए का तात्पर्य अन्नदाता किसान और एन का तात्पर्य नारी, वर्तमान में केंद्र सरकार ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं में इन पर अधिक फोकस किया है।

केंद्र सरकार ने समाज के शोषित, वंचित, पीड़ित एवं सर्वहारा वर्ग के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अनेक ऐतिहासिक एवं कल्याणकारी निर्णय लिये हैं। 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत हुई। पिछले 11 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत लगभग 12 करोड़ शौचालय बन चुके हैं। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत लगभग 10 करोड़ गैस कनेक्शन निःशुल्क दिये गये हैं। पिछले 5 वर्षों में जल जीवन मिशन के तहत 12 करोड़ परिवारों के घरों में नल से जल देने का काम पूरा हुआ है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को 4 करोड़ घर मिल चुके हैं। देश के 80 करोड़ जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत मार्च 2025 तक कुल 55.02 करोड़ जन-धन खाते देश में खोले जा चुके हैं। इन्हीं सब प्रयासों की वजह से 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ गये हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकताओं में युवाओं के लिए अच्छा स्वास्थ्य, फिटनेस और उन्हें उचित हुनर से लैस करना शामिल है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा कोष योजना और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने भारत को विकसित राष्ट्र की ओर आगे बढ़ाया है। मार्च 2025 तक समर्थ पोर्टल पर लगभग 5 लाख उपयोगकर्ता पंजीकृत हुये, जिनमें से 77 प्रतिशत युवाओं को प्लेसमेंट मिल चुका है। स्टार्टअप इंडिया के तहत 16 लाख लोगों को प्रत्यक्ष नौकरियां मिली हैं और नौजवान इन योजनाओं से प्रभावित होकर स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का विजन बहुत साफ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत् फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की। किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों को उनके बैंक खातों में हर चार महीने में दो हजार रुपये पहुचाये जाते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि से करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये सीधे किसान के खातों में पहुंचे हैं। पीएम फसल बीमा योजना के तहत दो लाख करोड़ रुपये किसानों को मिले हैं। किसानों को सस्ते दामों में खाद मिले, इस दिशा में पिछले दस सालों में बारह लाख करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। दलहन, तिलहन और नारियल की खरीद के लिए सरकारी गारंटी बढ़ाकर 45,000 करोड़ रुपये कर दी गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) और कृषोन्नति योजना (केवाई) का बजट 1,01,321.61 करोड़ रुपये कर दिया है। आज भारत दूध और मसालों के उत्पादन में विश्व में नम्बर 1 पर है। भारत सरकार ने 2817 करोड़ रुपए डिजिटल कृषि मिशन के लिए स्वीकृत किये हैं।

महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। स्टैंडअप इंडिया से 81ल महिलाएं उद्यमी बनीं। मुद्रा योजना से 68ल महिलाएं लाभार्थी हुईं। केन्द्र सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग 1 करोड़ 10 लाख लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों का आत्मसम्मान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

केंद्र सरकार ने देश में लगभग 1 लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले हैं। मोदी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के हर वर्ग खासकर सामान्य लोगों तक सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। कोरोना काल में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना 'संकल्प विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी' के परिणाम स्वरूप अयोध्या में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुण्ड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लूर में कल्चरल सेन्टर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 समाप्त कर दी गई। धारा- 370 को हटाना एक इतिहास की धारा को मोड़ने वाला निर्णय साबित हुआ है, इससे जम्मू-कश्मीर में खुशहाली की राह खुली है और देश की एकता व अखण्डता का ताना-बाना मजबूत हुआ है। आज स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर के नागरिक आतंकियों की गतिविधियों के पुरजोर विरोध में खड़े हुये हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बहुत स्पष्ट है। पाकिस्तान के हुक्मरानों, पाकिस्तानी सेना, आईएसआई और उनके द्वारा पोषित आतंकवादी संगठनों ने भारत में समय-समय पर आतंकवादी हमले किये हैं, जिसमें निर्दोष भारतीयों की जानें गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई के लिए खुली छूट दी। भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकवादी अड्डों एवं प्रशिक्षण शिविरों को जमींदोज कर दिया।

केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न युद्धों के दौरान शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों की पुण्य स्मृति में दिल्ली में राष्ट्रीय शौर्य स्मारक एवं नेशनल वॉर मेमोरियल निर्मित कराये गये। पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन योजना लागू की गई। केंद्र सरकार ने देश के रक्षा बजट में काफी बढ़ोत्तरी की। रक्षा बजट जो वर्ष 2014 में 46,429 करोड़ रुपये था, वह 2024 में 1.27 लाख करोड़ हो चुका है। मेक इन इंडिया, डिफेंस स्टार्टअप की बदौलत रक्षा उत्पादन के मामलों में भारत आत्मनिर्भर होने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। देश में पहले 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किये जाते थे, वहीं अब 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण भारत में ही तैयार हो रहे हैं। स्वदेशी रक्षा उत्पादन जैसे तेजस लड़ाकू विमान, ब्रम्होस मिसाइल और अग्नि मिसाइल सिस्टम ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया है। आज भारत लगभग 100 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपये का था, जो बढ़कर 23,000 करोड़ रुपये हो गया है।

नया भारत विकसित भारत हो इसके लिये आधारभूत संरचना को मजबूत बनाना प्रधानमंत्री की प्राथमिकता है। नागरिकता संशोधन कानून, ई-गवर्नेन्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, अक्षय ऊर्जा में वृद्धि, पीएम गतिशक्ति आदि योजनाएं देश को विकसित एवं खुशहाल भारत की ओर ले जाने की दूरगामी पहल है।

रन्तिदेव ने कहा था -

न त्वहं कामये राज्यं, न स्वर्ग न पुनर्भवम्।
कामये दुःख तातानां, प्राणिनामार्तिं नाशनम्।।

अर्थात् - न मुझे राज्य की कामना है, न स्वर्ग की और न पुनर्जन्म से छुटकारा पाने की। मेरी कामना तो यह है कि मैं दुखों से संतप्त प्राणियों के काम आ सकूं।

इसी भावना से स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को दुनिया के समृद्ध और शक्तिशाली देशों में शुमार करने की दिशा में सन्नद्ध व संकल्पबद्ध हैं।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना : एक दोहरी त्रासदी और इसके दूरगामी परिणाम

यह पहली बार था जब अहमदाबाद के इतिहास में इतनी घनी आबादी वाले क्षेत्र में विमान दुर्घटना हुई। इसने न केवल विमानन सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि हवाई अड्डों के आसपास बस्तियों के अनियोजित विस्तार को भी एक गंभीर चिंता का विषय बना दिया।

अहमदाबाद के मेघानी नगर के लिए 12 जून 2025 की दोपहर एक काला दिन बन गया, जब एयर इंडिया की फ्लाइट AI171, एक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर, टेकऑफ के महज पांच मिनट बाद एक घनी आबादी वाले रिहायशी क्षेत्र में क्रैश हो गई। यह दुर्घटना अपने आप में एक दोहरी त्रासदी थी—विमान में सवार 242 लोगों (230 यात्री और 12 क्रू मेंबर) में से अधिकांश की जान चली गई, और जमीन पर मेघानी नगर के बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल और स्टाफ क्वार्टर्स में पांच मेडिकल स्टूडेंट्स सहित कई लोग मारे गए।यह अहमदाबाद के इतिहास में पहली बार था जब इतनी घनी आबादी वाले क्षेत्र में विमान दुर्घटना हुई। इस हादसे ने न केवल मानवीय क्षति की भयावहता को उजागर किया, बल्कि तेजी से बढ़ती विमानन सेवाओं और शहरीकरण के बीच सुरक्षा के अनसुलझे सवालों को भी सामने लाया।इस हादसे की सबसे बड़ी त्रासदी इसकी दोहरी प्रकृति है। पहला, विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक यात्री, विशवास कुमार रमेश, चमत्कारिक रूप से बच पाया। इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जैसे प्रमुख व्यक्तियों की मृत्यु ने इस हादसे को और गंभीर बना दिया। दूसरा, विमान का मेघानी नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में गिरना, जहां बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल और स्टाफ क्वार्टर्स जैसी संवेदनशील संरचनाएं थीं, ने जमीन पर भी भारी तबाही मचाई। पुलिस कमिश्नर जी.एस. मलिक के अनुसार, 204 शव बरामद किए गए, जिनमें विमान के यात्री और जमीन पर मौजूद लोग शामिल थे। पांच मेडिकल स्टूडेंट्स की मौत और कई अन्य के घायल होने ने इस हादसे को और भी दुखद बना दिया।

यह पहली बार था जब अहमदाबाद के इतिहास में इतनी घनी आबादी वाले क्षेत्र में विमान दुर्घटना हुई। इसने न केवल विमानन सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि हवाई अड्डों के आसपास बस्तियों के अनियोजित विस्तार को भी एक गंभीर चिंता का विषय बना दिया।

भारत में विमानन उद्योग पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व गति से बढ़ा है। सरकार की उड़ान योजना और निजी एयरलाइंस के विस्तार ने हवाई यात्रा को आम लोगों की पहुंच में ला दिया है। लेकिन, इस तेजी से बढ़ते उद्योग के साथ दुर्घटनाओं की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। अहमदाबाद हादसा इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि विमानन सुरक्षा के मानकों को और सख्त करने की जरूरत है।

बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर, जो 2014 में एयर इंडिया को डिलीवर हुआ था, इस मॉडल का पहला क्रैश था। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी, पायलट त्रुटि, या बाहरी कारकों (जैसे बर्ड स्ट्राइक) की संभावना पर विचार किया जा रहा है। लेकिन यह सवाल अनुत्तरित है कि इतने आधुनिक विमान में ऐसी विफलता कैसे हुई?

विमानन सेवाओं के विस्तार के साथ, हवाई अड्डों की संख्या और उड़ानों की आवृत्ति बढ़ रही है। यह स्वाभाविक रूप से जोखिम को बढ़ाता है, खासकर उन हवाई अड्डों के पास जो घनी आबादी वाले क्षेत्रों से घिरे हैं। मेघानी नगर जैसे क्षेत्रों में हवाई अड्डों की निकटता और अनियोजित शहरीकरण ने इस हादसे के प्रभाव को और बढ़ा दिया।

मेघानी नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में विमान दुर्घटना का होना शहरी नियोजन की विफलता को दर्शाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास बस्तियों का अनियोजित विस्तार इस हादसे का एक प्रमुख कारण रहा। विश्व स्तर पर, हवाई अड्डों के आसपास बफर जोन बनाए जाते हैं, जहां निर्माण कार्यों पर सख्त नियंत्रण होता है। लेकिन भारत में कई शहरों में, विशेष रूप से अहमदाबाद जैसे तेजी से विकसित हो रहे महानगरों में, यह नियम प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पा रहा है। यह हादसा इस बात की ओर इशारा करता है कि हमें हवाई अड्डों के आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों को फिर से परिभाषित करने की जरूरत है। बफर जोन, आपातकालीन निकासी योजनाएं, और स्थानीय समुदायों के लिए जागरूकता कार्यक्रम इस तरह की त्रासदियों को कम करने में मदद कर सकते हैं। इस हादसे ने मेघानी नगर के स्थानीय समुदाय, खासकर बीजे मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स और स्टाफ, पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाला है। मेडिकल स्टूडेंट्स, जो भविष्य के डॉक्टर बनने की राह पर थे, इस हादसे का शिकार बने। यह न केवल उनके परिवारों के लिए, बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक बड़ा आघात है। स्थानीय निवासियों में अब हवाई अड्डे की निकटता को लेकर डर का माहौल है, जो रियल एस्टेट और स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

इसके अलावा, हादसे ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर लोगों का भरोसा डगमगा दिया है। एयर इंडिया, जो पहले से ही वित्तीय और प्रबंधकीय चुनौतियों का सामना कर रही थी, को इस हादसे से भारी झटका लगा है। यात्रियों में डर का माहौल बन सकता है, जिसका असर पूरे विमानन उद्योग पर पड़ सकता है। इस हादसे ने कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े किए हैं, जिनका समाधान भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए जरूरी है। विमानन सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करना होगा, जिसमें विमान रखरखाव, पायलट प्रशिक्षण, और तकनीकी जांच की प्रक्रियाओं को और मजबूत करना शामिल है। ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर की जांच से हादसे के सटीक कारणों का पता लगाना आवश्यक है।

शहरी नियोजन में सुधार लाना अनिवार्य है। हवाई अड्डों के आसपास बफर जोन बनाकर और अनियोजित निर्माण पर रोक लगाकर मेघानी नगर जैसे क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों को लागू करने के लिए सख्त नीतियां बनानी होंगी। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिए बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों की जरूरत है। NDRF और स्थानीय प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया सराहनीय थी, लेकिन इसे और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

स्थानीय समुदायों को हवाई अड्डों के जोखिमों और आपातकालीन योजनाओं के बारे में जागरूक करना जरूरी है। यह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और संकट की स्थिति में उनकी भागीदारी बढ़ाएगा। पीड़ितों के परिवारों और स्थानीय समुदाय के लिए काउंसलिंग और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए, ताकि वे इस त्रासदी के आघात से उबर सकें। अहमदाबाद की यह विमान दुर्घटना एक दोहरी त्रासदी थी, जिसने न केवल आकाश में, बल्कि धरती पर भी तबाही मचाई। मेघानी नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में पहली बार हुई इस घटना ने विमानन सुरक्षा, शहरी नियोजन, और आपदा प्रबंधन की कमियों को उजागर किया है।

मौनी रॉय ने दोस्त दिशा पाटनी को दी जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर उनकी दोस्त और एक्ट्रेस मौनी रॉय ने एक पोस्ट के जरिए दिशा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी और साथ ही कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं।

सबसे खूबसूरत छोटी बहन-मौनी रॉय

मौनी ने आज सोशल मीडिया पर कई शानदार तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए और कैप्शन में लिखा, मेरी रहस्यमयी, आकर्षक, सबसे खूबसूरत छोटी बहन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी सबसे अछी दोस्त और प्रिंसपेसा, आपको बनाने वाली सभी विशेषताओं और तत्वों से प्यार करती हूं।

सबसे अछी दोस्त-मौनी रॉय

मौनी ने आगे लिखा, मौसम चाहे जो भी हो, मेरे जीवन में धूप और धूप लाने के लिए धन्यवाद, हर दिन मेरा हालचाल जानने के लिए, चाहे आप किसी भी महाद्वीप में हों और बहुत ही सहजता से सबसे अछी दोस्त बनने के लिए जो कोई भी लड़की चाह सकती है। आपके साथ जीवन निश्चित रूप से और भी मजेदार है। हेहेह। प्रार्थना करें कि भगवान आपको वह सब कुछ दे जो आपका बहुत यादा सोचने वाला दिमाग और गहरा प्यार करने वाला दिल चाहता है। यह बहन के लिए है जो आंशिक रूप से देवी और 3/4 निंजा योद्धा है, जितना आप जानते हैं उससे कहीं यादा प्यार करती हूं दिशा पाटनी दोनों की दोस्ती है खास दिशा पाटनी और मौनी रॉय को अक्सर एक साथ कई सार्वजनिक जगहों पर देखा जा चुका है। वह दोनों बहुत अछी दोस्त हैं और अक्सर वेकेशन पर भी साथ जाती हैं। दिशा और मौनी दोनों ही एक-दूसरे को अपनी बहनें मानती हैं।

मौनी और दिशा का वर्कफ्रंट

मौनी रॉय को हाल ही में फिल्म द भूतनी में देखा गया था। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में मौनी ने एक भूतनी मोहब्बत का किरदार निभाया था। इस फिल्म में मौनी के अलावा संजय दत्त, सनी सिंह और पलक तिवारी ने अहम भूमिका निभाई है।वहीं, दिशा पाटनी को आखिरी बार फिल्म कल्कि 2898 एडी में देखा गया था। बहरहाल, वह जल्द ही फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। यह फिल्म एक मल्टी स्टारर फिल्म है। इस फिल्म में दिशा के अलावा अक्षय कुमार, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडिस, रवीना टंडन, संजय दत्त और भी कई कलाकार नजर आएंगे।

रैपर बादशाह और दुआ लीपा के विवादों के बीच पॉपस्टार ने की सगाई

बोलीं- जीवनभर एक दोस्त की तरह...

रैपर बादशाह ने कुछ दिनों पहले सिंगर दुआ लीपा पर विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद वो मुश्किलों में घिर गए थे और उन्हें आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अब पॉपस्टार दुआ ने अपने सगाई की पुष्टि की है। जानिए उन्होंने क्या कहा। दुआ लीपा ने की सगाई की पुष्टि पॉपस्टार दुआ लिपा ने अभिनेता कैलम टर्नर के साथ अपनी सगाई की पुष्टि की है। गायिका ने हाल ही में ब्रिटिश वोग के साथ डिनर इंटरव्यू के दौरान यह खुशखबरी बताई। उन्होंने कहा, 'हां, हमने सगाई कर ली है। यह बहुत शानदार है।' गायिका ने आगे अपने मंगेतर के बारे में कहा, 'मैं उनके प्रति जुनूनी हूं। वो बिल्कुल मेरी तरह है। यह जानना अछा है कि जिस व्यक्ति के साथ आप अपना बचा हुआ जीवन बिताने जा रहे हैं, वह आपको बहुत अछी तरह से जानता है। साथ-साथ बूढ़े होने का यह निर्णय, एक जीवन देखना और बस, मुझे नहीं पता, हमेशा के लिए सबसे अछे दोस्त बने रहना। यह वास्तव में एक विशेष एहसास है।' दुआ लीपा और उनके मंगेतर को पहली बार 2024 की शुरुआत में साथ देखा गया था। इसी के बाद से दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और अब उन्होंने शादी कर ली है। साथ ही आपको बताते चलें कि अभी तक दोनों की तरफ से शादी को लेकर कोई अपडेट नहीं आई है। सिंगर दुआ लीपा की सगाई भारत में इसलिए चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि बीते दिनों रैपर बादशाह ने उनको लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इसी के बाद से बादशाह को नेटिजंस के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। यहीं, नहीं इसके बाद रैपर ने टिप्पणी पर सफाई देते हुए इसे महिलाओं के लिए सबसे अछी तारीफ बताई थी। हालांकि, इस पूरे मामले पर सिंगर दुआ लीपा ने कोई कमेंट नहीं किया है।

कौन हैं संजय कपूर की दूसरी पत्नी प्रिया सचदेव? बॉलीवुड से कैसा है नाता

बिजनेसमैन संजय कपूर के निधन ने हर किसी को हैरान कर दिया है। संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेव ने पति की मौत पर अब तक कोई रिएक्शन नहीं दिया है। बॉलीवुड इंडस्ट्री इन दिनों एक गहरे सदमे से गुजर रही है। अभिनेत्री करिश्मा कपूर के एक्स-हसबैंड संजय कपूर के अचानक निधन ने सबको स्तब्ध कर दिया है। संजय कपूर की मौत पोलो खेलते वक्त हार्ट अटैक आने के कारण हुई, जिससे पूरी फिल्म इंडस्ट्री और उनके करीबियों में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुखद घटना के बाद एक नाम सुर्खियों में आ गया है वो है संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव का।

ग्लैमर से कॉर्पोरेट की दुनिया तक का सफर

प्रिया सचदेव का नाम बॉलीवुड और फैशन इंडस्ट्री दोनों में जाना-पहचाना रहा है। वो सिर्फ एक अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक सफल प्रोफेशनल भी रह चुकी हैं। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाली प्रिया ने इनवेस्टमेंट बैंकिंग एनालिस्ट के तौर पर भी काम किया है। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और फिल्मों की दुनिया में कदम रखा।

'नील एंड निक्की' में आ चुकी हैं नजर

उनकी पहली फिल्म 'नील एंड निक्की' थी, जिसमें उन्होंने ग्लैमर का जबरदस्त तड़का लगाया था। हालांकि, एक्टिंग करियर लंबा नहीं चला, लेकिन प्रिया हमेशा हाई प्रोफाइल लाइफस्टाइल और बिजनेस बैकग्राउंड के चलते सुर्खियों में बनी रहीं।

सोशल मीडिया से गायब हैं प्रिया

करिश्मा कपूर से तलाक के बाद संजय कपूर ने प्रिया सचदेव से शादी की थी। दोनों की शादी को लेकर काफी चर्चा रही थी, लेकिन पिछले कुछ सालों से प्रिया लाइमलाइट से दूर नजर आ रही थीं। खासतौर पर नवंबर 2023 के बाद से प्रिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कोई भी पोस्ट साझा नहीं किया है। जो प्रिया पहले सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती थीं, वो अचानक गायब हो गईं। यही वजह है कि संजय कपूर के निधन के बाद लोग यह जानने को बेताब हैं कि प्रिया इस मुश्किल समय में कहां हैं और क्या उनका कोई आधिकारिक बयान सामने आएगा।

प्रिया का कोई रिएक्शन नहीं आया

जहां मलाइका, करीना से लेकर सैफ तक, बॉलीवुड सितारे संजय के निधन की खबर सुनते ही करिश्मा कपूर के घर पहुंचे वहीं अब तक प्रिया सचदेव की ओर से कोई भी सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

न उन्होंने कोई पोस्ट किया है और न ही किसी मीडिया इंटरव्यू में नजर आई हैं। यह चुप्पी और सोशल मीडिया से दूरी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या वह खुद को इस दुख से दूर रख रही हैं या फिर मीडिया की हलचल से बचना चाहती हैं?

स्पोर्ट्स

इंग्लैंड में 145 साल के टेस्ट इतिहास में पहली बार!

ऑस्ट्रेलिया-द.अफ्रीका ने बनाया यह अनचाहा रिकॉर्ड

इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट 1880 से खेला जा रहा है। तब से इस फाइनल से पहले तक इस देश में 561 टेस्ट हुए, लेकिन कभी यह रिकॉर्ड नहीं बना। अब फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ है। आइए जानते हैं वह अनचाहा रिकॉर्ड कौन सा है...

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 फाइनल के पहले दिन लॉर्ड्स में तेज गेंदबाजों का बोलबाला रहा। कगिसो रबाडा (51 रन पर पांच विकेट) और मार्को यानसेन (49 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर समेटने के बाद दक्षिण अफ्रीका की भी शुरुआत खराब रही और उसने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 43 रन पर चार विकेट गंवा दिए हैं। मिचेल स्टार्क (10 रन पर दो विकेट) ने दोनों सलामी बल्लेबाजों एडेन मार्करम (00) और रेयान रिकेल्टन (16) को जल्दी पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। कप्तान पैट कमिंस (14 रन पर एक विकेट) और जोश हेजलवुड (10 रन पर एक विकेट) ने भी एक-एक विकेट चटकाया। पहले दिन ही एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड बना जो इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट के 145 साल के इतिहास में नहीं बना था। दरअसल, इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट 1880 से खेला जा रहा है। तब से इस फाइनल से पहले तक इस देश में 561 टेस्ट हुए, लेकिन कभी यह रिकॉर्ड नहीं बना। अब फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ है कि इंग्लैंड में किसी टेस्ट में दोनों टीमों का पहले नंबर का बल्लेबाज (पहली गेंद पर स्ट्राइक लेने वाला बल्लेबाज) अपनी-अपनी पहली पारी में खाता नहीं खोल सका हो। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा शून्य पर आउट हुए थे। उन्हें रबाडा ने पवेलियन भेजा था। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में एडेन मार्करम भी खाता नहीं खोल पाए। यह अनचाहा रिकॉर्ड इंग्लैंड में 145 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार बना। ओवरऑल (सभी देशों को मिलाकर) ऐसा 10वीं बार हुआ है। पहले दिन का खेल खत्म होने पर दक्षिण अफ्रीका के डेविड बेडिंघम आठ, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा तीन रन बनाकर खेल रहे थे। दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है। ऑस्ट्रेलिया को इससे पहले ब्यू वेबस्टर (72 रन, 92 गेंद, 11 चौके) और स्टीव स्मिथ (66 रन, 112 गेंद, 10 चौके) ने पांचवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी करके उस समय मुश्किल से उबारा जब टीम 67 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी (23) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

सलामी बल्लेबाज रियान रिकेल्टन (16) ने स्टार्क और हेजलवुड पर चौके मारे। वह हालांकि स्टार्क की गेंद पर पहली स्लिप में उस्मान ख्वाजा को कैच दे बैठे। मुल्डर ने 44 गेंद में छह रन बनाने के दौरान काफी संघर्ष किया और फिर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस की गेंद पर बोल्ड हो गए। हेजलवुड ने ट्रिस्टन स्टब्स (02) को बोल्ड करके दक्षिण अफ्रीका का स्कोर चार विकेट पर 30 रन किया।

इससे पहले आसमान में छाए बादलों के बीच दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बावुमा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्ले से पहला रन मार्नस लाबुशेन (17) ने यानसेन पर पारी के चौथे ओवर में दो रन के साथ बनाया। लाबुशेन पहली बार टेस्ट क्रिकेट में पारी का आगाज कर रहे थे। रबाडा ने सातवें ओवर में उस्मान ख्वाजा को स्लिप में डेविड बेडिंघम के हाथों कैच कराके दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। ख्वाजा 20 गेंद खेलने के बाद भी खाता नहीं खोल पाए।

मार्च 2024 के बाद पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेल रहे कैमरन ग्रीन (04) ने रबाडा की पहली ही गेंद पर चौका जड़ा लेकिन एक गेंद बाद स्लिप में एडेन मार्करम के हाथों लपके गए। लाबुशेन और स्मिथ ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। स्मिथ ने रबाडा जबकि लाबुशेन ने लुंगी एनगिडी पर चौका जड़ा। स्मिथ ने भी एनगिडी के ओवर में दो चौके मारे। यानसेन ने लाबुशेन को विकेटकीपर काइल वेरेने के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने लंच से पहले की अंतिम गेंद पर ट्रेविस हेड (11) को भी लेग साइड में विकेटकीपर के हाथों कैच कराके दक्षिण अफ्रीका का स्कोर चार विकेट पर 67 रन किया।

स्मिथ और वेबस्टर ने इसके बाद पारी को संभाला। स्मिथ ने रबाडा पर दो चौके मारे।

बीसीसीआई अपेक्स काउंसिल की बैठक आईपीएल में जीत के बाद जश्न को लेकर नियम बना सकता है बोर्ड

बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ की दुखद घटना के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जीत के जश्न के लिए मानक दिशानिर्देश तैयार करना भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शनिवार को होने वाली 28वीं शीर्ष परिषद बैठक के एजेंडे में प्रमुख मुद्दों में शामिल होगा। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना पिछले बुधवार को घटी थी, जब लगभग 2.5 लाख प्रशंसक अपने पसंदीदा सितारों की एक झलक पाने के लिए स्टेडियम और उसके आसपास के इलाकों में उमड़ पड़े थे। इसके कारण भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 घायल हो गए थे। बीसीसीआई ने हालांकि माना कि समारोह का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता था, लेकिन अब इस मामले पर बैठक के दौरान औपचारिक रूप से विचार-विमर्श किया जाएगा।

आने वाले समय में कौन से खिलाड़ी होंगे फैब-4 का हिस्सा?

खुद फैब-4 के सदस्य विलियम्सन ने उन खिलाड़ियों का नाम लिया है जो आगे चलकर फैब-4 का हिस्सा हो सकते हैं। उनसे पूछा गया कि आने वाले समय में सभी प्रारूपों को देखा जाए तो फैब-4 में कौन से खिलाड़ी हो सकते हैं? जानें विलियम्सन ने क्या कहा... मौजूदा समय में क्रिकेट में जिन खिलाड़ियों का दबदबा रहा है, उनमें विराट कोहली, केन विलियम्सन, स्टीव स्मिथ और जो रूट शामिल हैं। इन्हें फैब-4 के नाम से भी जाना जाता है। इन चारों ने 2010 के बाद से विश्व क्रिकेट पर अपनी धाक जमाई है। चाहे वनडे हो या टेस्ट या फिर टी20 इनका हर प्रारूप में दबदबा रहा है। अभी भी चारों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अलग-अलग प्रारूपों में सक्रिय हैं, लेकिन धीरे-धीरे संन्यास की ओर बढ़ रहे हैं। इसने यह बहस भी चालू कर दिया कि आने वाले समय में इन चारों की जगह कौन लेगा। विलियम्सन ने पांच नाम सुझाए हैं, जिनमें से फैब-फोर निकलकर सामने आ सकते हैं। इन पांच में से दो भारतीय और एक-एक न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और एक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी है। दरअसल, कोहली टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। स्मिथ वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह चुके हैं। जबकि क्रिकेट की दुनिया मौजूदा फैब 4 का आनंद उठा रही है, अगले फैब 4 के बारे में बातचीत शुरू हो चुकी है। खुद फैब-4 के सदस्य विलियम्सन ने उन खिलाड़ियों का नाम लिया है। उनसे पूछा गया कि आने वाले समय में सभी प्रारूपों को देखा जाए तो फैब-4 में कौन से खिलाड़ी हो सकते हैं? इसके जवाब में विलियम्सन ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से बातचीत में कहा, अलग-अलग प्रारूपों को देखा जाए तो यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रचिन रविंद्र और हैरी ब्रूक जैसे खिलाड़ी दिमाग में आते हैं। कैमरन ग्रीन भी ध्यान में आते हैं। ये सभी बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्होंने सभी प्रारूपों में अछा प्रदर्शन किया है। सभी युवा हैं और उनके खेल में सुधार देखा जा सकता है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार डेरिल कलिनन ने कोहली को फैब फोर में सर्वश्रेष्ठ के रूप में चुना था। उन्होंने कहा था कि विराट ने क्रिकेट के सभी रूपों में जिस तरह से जिम्मेदारी भरी बल्लेबाजी की, वह देखना शानदार था। कलिनन ने कहा, मुझे लगता है कि फैब फोर में स्पष्ट रूप से खेल के सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ खेलने वाले खिलाड़ी हैं। इन सभी ने टेस्ट क्रिकेट में शानदार खेला है।

इज़राइल का बड़ा ऐलान - ईरान के परमाणु ठिकानों पर किया हमला

टॉप जनरल और वैज्ञानिकों के मारे जाने की आशंका

नई दिल्ली. जिस आशंका ने लंबे समय से दुनिया भर के नेताओं और कूटनीतिज्ञों को परेशान कर रखा था, वो अब हकीकत बन चुकी है। इज़राइल और ईरान के बीच की तनातनी अब पूरी तरह से युद्ध में तब्दील हो चुकी है। शुक्रवार की सुबह, इज़राइली वायुसेना ने ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाते हुए भारी बमबारी की। इस हमले ने न केवल तेहरान बल्कि पूरे विश्व को सकते में डाल दिया है।

ऑपरेशन राइजिंग लायन की शुरुआत

इज़राइली सेना ने इस हमले को 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया है। इस सैन्य तेहरान और इसके आस-पास के कई शहरों में शुक्रवार तड़के जबरदस्त धमाकों की आवाजें सुनी गईं। नतांज और फोर्दो स्थित परमाणु केंद्रों पर निशाना साधा गया। हमले के तुरंत बाद ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर आपातकाल की घोषणा कर दी। राजधानी में अफरा-तफरी का माहौल है और अस्पतालों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

ईरानी मीडिया के अनुसार, इस हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के टॉप कमांडर और कुछ प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों की जान चली गई है। हालांकि, इस दावे की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि यह सही साबित होता है, तो यह हमला ईरान के सामरिक ढांचे को गहरा नुकसान पहुंचा सकता है। हमले के तुरंत बाद ईरान ने इज़राइल और उसके सहयोगी अमेरिकी ठिकानों पर पलटवार की धमकी दी है। ईरानी रक्षामंत्री ने कहा है कि उनका देश पूर्ण सैन्य प्रतिक्रिया के लिए तैयार है। ड्रोन और मिसाइलों की तैनाती की खबरें भी आ रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बेचैनी

इस पूरे घटनाक्रम ने वैश्विक मंच पर हलचल मचा दी है। संयुक्त राष्ट्र और नाटो देश इस संकट पर आपात बैठक की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिका ने अभी तक स्थिति पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ घंटे पहले ही चेतावनी दी थी कि मिडिल ईस्ट में जल्द भीषण संघर्ष होने वाला है।

फिलहाल की स्थिति

इज़राइल ने ईरान पर दो चरणों में हवाई हमला किया है

ईरान ने देशभर में आपातकाल लागू किया

इज़राइली ऑपरेशन का नाम 'राइजिंग लायन'

परमाणु वैज्ञानिकों और सैन्य प्रमुखों की मौत की आशंका

पूरी दुनिया में तनाव, बाजारों में गिरावट की संभावना

अभियान का उद्देश्य स्पष्ट है — ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना, जिसे इज़राइल अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। हमले की पुष्टि करते हुए इज़राइल ने कहा कि यह एक प्री-एम्प्टिव स्ट्राइक थी, यानी संभावित खतरे से पहले की गई रक्षात्मक कार्रवाई।

अस्पताल मालिक की दरिंदगीः नर्स को बहाने से बुलाकर कमरे में बनाया बंधक

फिर धमकी देकर किया दुष्कर्म

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में मुरादाबाद मार्ग पर एक अस्पताल में नर्सिंग कर रही युवती के साथ अस्पताल के मालिक ने बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। घटना के बाद युवती ने बुधवार की रात थाने पहुंच कर अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जानिए, क्या है पूरा मामला?

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह मामला एक गांव का है। युवती काफी समय से कस्बे के मुरादाबाद मार्ग पर स्थित उस अस्पताल में नर्स का काम कर रही थी। उसने बताया कि 3 जून को अस्पताल के मालिक हाशिम अंसारी ने उसे अपने कमरे में बुलाया। वह ऊपर मंजिल पर था। वहां जाकर जब युवती ने देखा कि उसे बहाने से बुलाया गया है, तो अचानक आरोपी ने उसे कमरे में बंधक बना लिया। फिर उसके साथ दुष्कर्म किया।

धमकियां और वीडियो सबूत

पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी और उसके विरोध करने पर मारपीट की। साथ ही जातिसूचक शब्द भी बोले। उसने यह भी कहा कि यदि उसने किसी

को कुछ बताया तो उसके परिवार को भी जान से मार देंगे। इस दौरान युवती ने अपने फोन से एक वीडियो भी बना लिया, जिसमें घटना की जानकारी है।

पुलिस ने की कार्रवाई

यह घटना 10 दिन पहले की है। उस दौरान युवती डर के मारे किसी को कुछ नहीं बता सकी। धमकियों के कारण वह घर भी नहीं जा पाई। लेकिन बुधवार को उसने अपने साथ हुई घटना का जिक्र अपने परिवार वालों से किया। परिवार वाले तुरंत थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर आरोपी अस्पताल के मालिक हाशिम अंसारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी कर उसे जेल भेज दिया है। अब आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है।

55 वर्षीय मंदबुद्धि महिला से गैंगरेप

दरिंदगी के बाद फरार हुए 3 आरोपी पुलिस कर रही तेज छापेमारी

मामला उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के बेलघाट थाना क्षेत्र का है, जिसमें एक 55 वर्षीय महिला के साथ गैंगरेप का मामला प्रकाश में आया है।

जानिए, क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के मुताबिक, बीते बुधवार की देर शाम गांव में रहने वाली महिला अपने घर के बाहर शौच के लिए निकली थी। तभी 3 युवक गोलू, बबलू और गप्पू ने उसे अकेला देखकर पकड़ लिया। आरोप है कि इन युवकों ने महिला को खेत में ले जाकर बारी-बारी से दुष्कर्म किया। जब इस दौरान एक अन्य महिला वहां पहुंची, तो आरोपी फरार हो गए। घटना की जानकारी महिला के पति को मिली, जिन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। वहीं घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। महिला मंदबुद्धि है, जिससे उसकी स्थिति और भी संवेदनशील हो गई है। गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

महिला के पति की तहरीर पर

पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी गई है। पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं। महिला का मेडिकल परीक्षण कराकर रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

मामले में प्रमुख बातें

आरोपियों का समुदाय विशेष का होना बताया गया है। घटना के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की है। एसपी क्राइम सुधीर जायसवाल का कहना है कि आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं यह घटना समुदाय के बीच तनाव का कारण बन सकती है। सरकार और पुलिस प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया है, और पीड़िता को न्याय दिलाने के प्रयास जारी हैं।

विमान यात्रा में भूलकर भी न ले जाएँ ये 4 गैजेट्स, बन सकते हैं बड़े हादसे की वजह

नेशनल डेस्क। अहमदाबाद में हाल ही में हुए विमान हादसे ने हवाई सुरक्षा नियमों पर एक बार फिर से ध्यान खींच लिया है. अक्सर लोग जानकारी के अभाव में कुछ ऐसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अपने साथ ले जाते हैं जो विमान यात्रा के दौरान खतरनाक साबित हो सकते हैं. ये गैजेट्स न सिर्फ आपकी बल्कि विमान में सवार सैकड़ों यात्रियों की जान जोखिम में डाल सकते हैं. यहाँ हम उन 4 प्रमुख गैजेट्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें हवाई जहाज़ में ले जाना या इस्तेमाल करना नियमों के ख़िलाफ़ माना जाता है और ये विमान यात्रा के लिए गंभीर ख़तरा क्यों बन सकते हैं-

1. अत्यधिक क्षमता वाले पावर बैंक (27000 mAh से ज़्यादा)

आजकल हर कोई पावर बैंक का इस्तेमाल करता है लेकिन हवाई यात्रा में इसकी क्षमता की एक सीमा होती है. यदि आपके पास 27000 mAh से ज़्यादा क्षमता वाला पावर बैंक है तो इसे साथ ले जाना बेहद जोखिम भरा हो सकता है. इतनी ज़्यादा क्षमता वाली लिथियम-आयन बैटरी से विमान में आग लगने का ख़तरा रहता है जो सीधे तौर पर विमान की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है. आमतौर पर 10000 mAh या 20000 mAh तक के पावर बैंक ले जाने की अनुमति होती है लेकिन इससे ज़्यादा क्षमता वाले डिवाइस से बचना ही बेहतर है.

2. ई-सिगरेट और वेप डिवाइस

ई-सिगरेट और वेपिंग डिवाइस को प्लेन में ले जाना या इस्तेमाल करना दोनों ही ख़तरनाक माने जाते हैं. इनमें लिक्विड निकोटिन के साथ-साथ लिथियम बैटरी भी होती है. तापमान में बदलाव या दबाव के कारण ये बैटरियाँ फट सकती हैं या उनमें आग लग सकती है. कुछ एयरलाइंस इन्हें कैबिन बैग में ले जाने की अनुमति देती हैं लेकिन फ़्लाइट के दौरान इनका इस्तेमाल करना पूरी तरह से प्रतिबंधित है. इसलिए, यात्रा से पहले ही इन्हें छोड़ देना सबसे सुरक्षित विकल्प है.

3. स्मार्ट बैग जिनकी बैटरी नहीं निकलती

बाज़ार में अब ऐसे स्मार्ट बैग आ गए हैं जिनमें इन-बिल्ट चार्जिंग पोर्ट, जीपीएस और वज़न मापने जैसी सुविधाएँ होती हैं. लेकिन अगर इनमें लगी लिथियम बैटरी को अलग नहीं किया जा सकता तो ऐसे बैग्स को चेक-इन लगेज के रूप में ले जाना सख़्त मना है. इसका कारण यह है कि अगर बैग को कार्गो होल्ड में रखा गया और बैटरी में कोई गड़बड़ी हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है. यदि बैटरी को अलग किया जा सकता है तो उसे निकालकर अपने साथ कैबिन में ले जाना सुरक्षित माना जाता है.

4. बैटरी से चलने वाले अन्य अनजान गैजेट्स

कई बार लोग ऐसे गैजेट्स लेकर यात्रा पर निकल पड़ते हैं जिनमें छोटी लेकिन हाई-पावर बैटरी लगी होती है. इनमें कुछ ख़ास तरह के कैमरे, ड्रोन्स या हैंडहीटर्स शामिल हो सकते हैं. बिना जांचे इन डिवाइसों को साथ ले जाने से एयरपोर्ट सिक्योरिटी में परेशानी खड़ी हो सकती है. इसके अलावा यदि ये डिवाइसेज अनजाने में एक्टिव हो जाते हैं तो वे विमान की तकनीकी व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकते हैं.

सुरक्षित यात्रा के लिए क्या करें?

हवाई यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाने की ज़िम्मेदारी सिर्फ एयरलाइंस की नहीं बल्कि हम यात्रियों की भी होती है. ऐसे में कुछ छोटे-छोटे नियमों का पालन करके हम बड़ी दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं- हमेशा यात्रा से पहले एयरलाइन की वेबसाइट पर जाकर उनके बैगेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से जुड़े नियमों को ध्यान से पढ़ें. बैटरी से चलने वाले किसी भी गैजेट को पैक करने से पहले सोचें कि क्या वह नियमों के अनुसार सुरक्षित है. यदि किसी डिवाइस को साथ ले जाना ज़रूरी हो तो उसे मैनुअली बंद कर लें और यदि संभव हो तो उसकी बैटरी को अलग कर दें.

व्यापार

सेवा शुल्क वसूलने से बाज नहीं आ रहे रेस्तरां-होटल,18 को नोटिस

CCPA का आदेश- ग्राहकों को जल्द वापस करें

सीसीपीए ने 4 जुलाई, 2022 को होटलों और रेस्तराओं में सेवा शुल्क के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके अनुसार, कोई भी होटल या रेस्तरां भोजन बिल में स्वचालित रूप से सेवा शुल्क नहीं जोड़ेगा।

देश भर के रेस्तरां और होटल ग्राहकों से सेवा शुल्क वसूलने से बाज नहीं आ रहे हैं। इस पर खुद संज्ञान लेते हुए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने अलग-अलग राज्यों के 18 रेस्तरां को नोटिस जारी कर दिया है। इनको सेवा शुल्क के नाम पर वसूली गई रकम ग्राहकों को वापस लौटाने का आदेश दिया है।

उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने बताया, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर 18 रेस्तरां के विरुद्ध सेवा शुल्क की अनिवार्य वसूली और सेवा शुल्क राशि वापस न करने के

संबंध में ग्राहकों से शिकायतें मिल रहीं थीं। इसके बाद इसकी जांच की गई और सभी रेस्तरां को इस मामले में कोर्ट के पहले के आदेश का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

खरे ने कहा, सीसीपीए सेवा शुल्क पर जारी दिशा निर्देशों और दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णय के उल्लंघन पर कड़ी नजर रख रहा है। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर 28 मार्च, 2025 से 10 जून, 2025 तक कुल 336 शिकायतें दर्ज की गई थीं। इन शिकायतों में ग्राहकों ने आरोप लगाया था कि कुछ रेस्तरां उनकी पूर्व सहमति प्राप्त किए बिना अनिवार्य सेवा शुल्क की वसूली कर रहे हैं। इन शिकायतों की जांच करने के बाद सीसीपीए ने 18 रेस्तरां को नोटिस जारी किए हैं।

रेस्तरां को पक्ष रखने के लिए मिलता है मौका

खरे ने कहा, सीसीपीए की कार्रवाई देश भर के होटलों और रेस्तरांओं पर हो रही है। इसमें महानिदेशक (जांच) की ओर से मामले की जांच की जाती है। जो भी संबंधित पार्टी है, उसे सुनवाई का पूरा अवसर मिलता है। अगर इसके जवाब से हम संतुष्ट नहीं होते हैं तो फिर अंतिम आदेश पारित कर उस पर कार्रवाई की जाती है।

किसी भी रूप में ग्राहकों से नहीं वसूल सकते सेवा शुल्क

सीसीपीए ने 4 जुलाई, 2022 को होटलों और रेस्तराओं में सेवा शुल्क के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके अनुसार, कोई भी होटल या रेस्तरां भोजन बिल में स्वचालित रूप से सेवा शुल्क नहीं जोड़ेगा। किसी अन्य नाम से सेवा शुल्क नहीं लिया जाएगा। ग्राहकों को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए मजबूर नहीं करेगा और उपभोक्ता को स्पष्ट रूप से बताएगा कि सेवा शुल्क स्वैच्छिक और वैकल्पिक है। सेवा शुल्क को खाद्य बिल के साथ जोड़कर और कुल राशि पर जीएसटी लगाकर एकत्र नहीं किया जाएगा।

कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए 'ड्रेस कोड, जुलाई से होगा लागू

नई दिल्लीः कोल इंडिया ने अपने कर्मचारियों के लिए 'ड्रेस कोड निर्धारित कर दिया है जिसे जुलाई से लागू किया जाएगा। एक सूत्र ने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई बैठक में अपने कर्मचारियों के लिए एक समान 'ड्रेस कोड लागू करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि जुलाई से पुरुष कर्मचारी गहरे नीले रंग की पैंट और आसमानी रंग की शर्ट पहनेंगे। वहीं महिला कर्मचारियों को हल्के आसमानी रंग का कुर्ता तथा गहरे नीले रंग की सलवार व दुपट्टा या गहरे नीले रंग के बॉर्डर वाली हल्के आसमानी रंग की साड़ी व गहरे नीले रंग का ब्लाउज पहनना होगा।

सूत्र ने कहा, ''सीआईएल के निदेशक मंडल ने 30 मई, 2025 को हुई अपनी बैठक में सीआईएल और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों के लिए एक समान 'ड्रेस-कोड योजना को मंजूरी दी। 'ड्रेस कोड लागू करने का मकसद सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) के

कर्मचारियों के बीच एकरूपता लाना है, साथ ही इसके माध्यम से कंपनी के 'ब्रांड को मजबूत करना है।

सूत्र ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को तीन जोड़ी वर्दी के लिए 12,500 रुपए का अग्रिम भुगतान किया जाएगा। एक वर्ष बाद योजना की समीक्षा की जाएगी।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का देश के कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से यादा का हिस्सा है। कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 2.25 लाख है। पिछले महीने कंपनी का कोयला उत्पादन 1.4 प्रतिशत घटकर 6.35 करोड़ टन रहा है, जो एक साल पहले समान महीने में 6.44 करोड़ टन था। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में 87.5 करोड़ टन उत्पादन तथा 90 करोड़ टन उठाव का लक्ष्य रखा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569